जागरण

नकली आक्सीटोसिन बनाकर बरेली जिले में करते थे सप्लाई, पुलिस ने छापा मारकर पकड़ी फैक्ट्री

Publish Date:Mon, 18 Jan 2021 01:26 PM (IST)Author: **Sant Shukla**

किला पुलिस ने चौधरी तालाब में दबिश देकर नकली आक्सीटोसिन बनाने के कारखाने का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान पुलिस ने मौके पर दो लोगों को गिरफ्तार कर करीब डेढ़ सौ लीटर तैयार नकली आक्सीटोसिन के साथ ही कच्चा माल बरामद किया है।

बरेली, जेएनएन। किला पुलिस ने चौधरी तालाब में दबिश देकर नकली आक्सीटोसिन बनाने के कारखाने का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान पुलिस ने मौके पर दो लोगों को गिरफ्तार कर करीब डेढ़ सौ लीटर तैयार नकली आक्सीटोसिन के साथ ही कच्चा माल बरामद किया है। पूछताछ के बाद दौरान उनकी गैंग में शामिल कई अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। पुलिस पकड़े गए युवकों से पूछताछ कर रही है। इस दौरान गैंग में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

किला पुलिस को पिछले काफी दिनों से चौधरी तालाब मुहल्ले में नकली आक्सीटोसिन बनाने और सप्लाई की सूचना मिल रही थी। पुलिस को सूचना मिली तो मुखबिर को लगाया। मुखबिर ने बताया कि चौधरी तालाब निवासी गुलाब नवी और सूफियान अपने साथियों के साथ नकली आक्सीटोसिन बनाने व बेंचने का काम करते हैं। रविवार शाम को चौकी इंचार्ज गढ़ी अजय शुक्ला सादे कपड़ों में उनके घर पहुंचे और 100 रुपये देकर एक बोतल नकली आक्सीटोसिन खरीदा। मामला सही होने के बाद देर रात उन्होंने फोर्स के साथ दबिश दी और मौके पर गुलाब नवी और सूफियान को धर दबोचा। मकान की तलाशी ली तो मौके पर 20-20 लीटर की पांच पिपिया आक्सीटोसिन व पांच लीटर व दो लीटर के साथ एक लीटर की पिपिया मिली। इस दौरान सैकड़ों शीशी 20 -20 एमएल की मिली। पुलिस माल जब्त कर सभी को थाने लाकर पूछताछ की तो आरोपित ने बोला वह कई सालों से यह काम कर रहा था।

जहरीले केमिकल का करते थे इस्तेमाल

पुलिस ने बड़ी मात्रा में कच्चा माल केमिकल के रूप में पकड़ा। इन केमिकल में मोटे-मोटे अक्षरों में प्वाइजन लिखा था। आरोपित 200 एमएल में दो लीटर पानी मिलाकर नकली आक्सीटोसिन तैयार करते थे। उसके बाद बाजार में माल सप्लाई करते थे। वह एक लीटर आक्सीटोसिन 200 रुपये में बेचते थे।

शहर से देहात तक सप्लाई

पूछताछ के दौरान पता चला कि नकली आक्सीटोसिन को वह बड़े पैमाने पर तैयार करते थे। वह शहर से लेकर देहात तक कस्बों तक सैकड़ों डेयरी में इसकी सप्लाई करते थे। जिससे उनकी मोटी कमाई होती थी।

जानवर हो जाते थे बांझ

चौकी इंचार्ज अजय शुक्ला ने बताया कि डॉक्टरों के चेक करने पर नकली आक्सीटोसिन बेहद खतरनाक होने का पता चला। दूध बढ़ाने के लिए इसे लगाया जाता है। इसके लगने से जानवर बांझ हो जाते थे। जिसके चलते पशुओं को स्लाटर हाउस में बेंच दिया जाता था। आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है और मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है।

Source: https://www.jagran.com/uttar-pradesh/bareilly-city-one-and-a-half-liter-fake-oxytocin-recovered-two-arrested-21282707.html